International Journal of Contemporary Research in Multidisciplinary; 2023; 2(6): 172-175

Research Article

जी 20 और भारतीय राजनीतिक स्थिति

Author (s): Dr. Narendra Simatwal[*1]

[1]*Assistant Professor, Govt. College Kishangarh, Alwar, Rajasthan, India*

Corresponding Author: * Dr. Narendra Simatwal

सारांश

G20, एक अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के प्रमुख मंच के रूप में, वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह लेख भारत की G20 समिति में पदकाल पर समीक्षा करता है, जिसमें इसकी प्रमुख उपलब्धियाँ, चुनौतियाँ, और वैश्विक अर्थव्यवस्था और विश्व क्रम पर प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया गया है। जी 20 समिट के दौरान भारत की अध्यक्षता के महत्वपूर्ण क्षणों को संक्षेपित करने का प्रयास किया है। भारत ने आर्थिक सहयोग, अनुबंधित विकास, और वैश्विक सामरिकता के क्षेत्र में मुख्य उपलब्धियों का प्रदर्शन किया है। इस अध्यक्षता के दौरान, भारत ने वैश्विक चुनौतियों के सामना करते हुए संयुक्त रूप से काम करने का संकल्प जताया है, परंतु आर्थिक अनिश्चितताओं, वातावरणीय समरक्षण, और वैश्विक स्वास्थ्य के क्षेत्र में चुनौतियों का सामना कर रहा है। यह सारांश विश्व समुदाय को भारत के अध्यक्षता के दौरान उठाए गए महत्वपूर्ण मुद्दों की सारांशिक धारा प्रदान करता है ।

Manuscript Information

- **ISSN No:** 2583-7397
- **Received:** 15-11-2023
- **Accepted:** 16-12-2023
- **Published:** 31-12-2023
- **IJCRM:**2(6);2023:172-175
- **©2023, All Rights Reserved**
- **Plagiarism Checked:** Yes
- **Peer Review Process:** Yes

How to Cite this Manuscript

Dr. Narendra Simatwal. **जी 20 और भारतीय राजनीतिक स्थिति.** International Journal of Contemporary Research in Multidisciplinary. 2023; 2(6):172-175.

कूटशब्द: अध्यक्षता, जी20 समिट, भारतीय अर्थव्यवस्था, वैश्विक सहयोग, चुनौतियाँ, आर्थिक दूरसंचार, सामरिक समरसता, अंतरराष्ट्रीय नीति

प्रस्तावना

जी20 समिट, जिसमें विश्व के अग्रणी अर्थव्यवस्थाएँ हिस्सा लेती हैं, एक महत्वपूर्ण संगठन है जो वैश्विक आर्थिक समन्वय और नीति निर्माण के लिए मिलते-जुलते राजनैतिक वर्तमान का प्रतिबिम्ब दर्शाता है। यहां हम जी20 के अध्यक्षता के दौरान भारत के संबंध में एक समर्पित समीक्षा पत्र प्रस्तुत कर रहे हैं, जिसमें हम उस समय के महत्वपूर्ण घटनाओं और इससे उत्पन्न चुनौतियों की जाँच करेंगे।

जी20, जिसकी स्थापना 1999 में की गई थी, विश्व के 19 शक्तिशाली देशों और यूरोपीय संघ को समृद्धि और सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एकत्र करने का मंच प्रदान करता है। भारत ने इस समृद्धि के एवं सहानुभूति के एक शिकार एवं विकस्त विश्व की दिशा में अपने प्रतिबद्धता को प्रमोट करने के लिए 2022 और 2023 के बीच जी20 का अध्यक्षता का कार्यभार संभाला है।

भारत के इस महत्वपूर्ण क्षण के दौरान, वह नहीं केवल देश की बढ़ती आर्थिक महत्वपूर्णता को बढ़ावा देने का कारण बन रहा है, बल्कि उसने विभिन्न क्षेत्रों में विचार-विमर्श एवं नीतियों के सृजन का माध्यम भी उपस्थित किया है। यह समीक्षा पत्र इस समय की स्थिति की गहराईयों से जुड़ी हुई है, जिससे पाठकों को भारत के जी20 अध्यक्षता के दौरान अनुभव की गई घटनाओं का समृद्ध और विस्तृत विवेचन प्राप्त हो सके। भारत की इस अध्यक्षता के कार्यकाल में दुनिया भर में वित्तीय और सांविदानिक बदलाव हो रहे हैं, और इस समीक्षा पत्र का उद्देश्य है विभिन्न पहलुओं की जाँच करके भारत के योजनाओं और प्रतिबद्धताओं को समझना है। इससे नए दिशानिर्देश, नीतियाँ, और सहानुभूति के क्षेत्र में उपन्यास प्रस्तुत किया जा सकता है जो विश्व में सशक्तिकरण की पथ पर आगे बढ़ने का समर्थन करता है ।

अध्ययन का उद्देश्य

भारत के G20 अध्यक्षता के दौरान मुख्य उपलब्धियाँ एवं चुनौतियाँ का विश्लेषण:

भारत की पदकाल की मुख्य उपलब्धियाँ

वैश्विक आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के पहल

1. इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश

भारत ने इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दिया, जिससे लोगों के जीवन को सुधारने और नौकरियों की सार्थकता बढ़ गई। यह निवेश वैश्विक आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने में मददगार रहा।

1.1.1. फिनटेक और वित्तीय सुधार

भारत ने वित्तीय सुधारों की प्रक्रिया को सुनिश्चित किया, जैसे कि बैंकिंग सुधार और वित्तीय नियमन की मजबूती। यह निवेश और उत्पादकता को बढ़ावा देने में मदद करता है और वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देता है।

1.1.2. व्यापार सुधार

भारत ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में सुधार करने के लिए कई प्रमुख पहल उठाई, जिनमें व्यापार संबंधित विवादों के समाधान, संरक्षणवाद के माध्यमों का नेविगेशन, और मुक्त और न्यायसंगत व्यापार को प्रोत्साहित करने के प्रयास शामिल हैं।

1.1.3. कृषि सुधार

भारत ने अपने कृषि क्षेत्र में सुधार करने के लिए महत्वपूर्ण पहल उठाई, जैसे कि कृषि तकनीकों के प्रयोग, अग्रणी उत्पादकों का समर्थन, और विश्व असरदार कृषि उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा दिया।

1.1.4. अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों का समर्थन

भारत ने वैश्विक वित्तीय संस्थानों का समर्थन किया और उनकी मजबूती के लिए उन्होंने अपने संवाद को मजबूत किया, जिससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा मिला।

वित्तीय क्षेत्र में सुधार और विधियाँ

1.1.5. वित्तीय सुधार

भारत ने अपने वित्तीय क्षेत्र को सुधारने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए, जैसे कि बैंकिंग सुधार और वित्तीय सुधार की प्रक्रिया को सुनिश्चित किया। इसका उद्देश्य था वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देना और वित्तीय सेक्टर को बनाए रखना।

1.1.6. बैंकिंग सुधार

भारत ने बैंकिंग सुधार की प्रक्रिया को गति दी, जिसमें आपूर्ति श्रृंखला को सुधारने का प्रयास और वित्तीय सेवाओं के पहुंच को बढ़ाने के उपाय शामिल थे। इससे वित्तीय सेवाओं के प्रदान में सुधार हुआ और लोगों के लिए इन्हें पहुंचने में सुधार हुआ।

1.1.7. वित्तीय नियमन

भारत ने वित्तीय नियमन को मजबूत किया और वित्तीय सुरक्षा को बढ़ावा दिया। यह नियमन बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को आवश्यक नियमों और मानकों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया और उनके ग्राहकों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया।

1.1.8. फाइनटेक और डिजिटल वित्तीय सेवाएं

भारत ने फाइनटेक और डिजिटल वित्तीय सेवाओं के प्रदान में महत्वपूर्ण सुधार किए, जिससे आम जनता के लिए वित्तीय सेवाओं की पहुंच में सुधार हुआ । यह नई तकनीकों और डिजिटल पेमेंट प्रणालियों के प्रयोग को बढ़ावा देने में मदद करता है ।

1.1.9. सुरक्षा और डेटा गोपनीयता

भारत ने वित्तीय सेक्टर की सुरक्षा और डेटा गोपनीयता के मामले में मजबूत नियमों को लागू किया, जिससे ग्राहकों के वित्तीय डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित हुई

1.2. पर्यावरणीय सततता के प्रति प्रतिबद्धता

भारत की G20 समिति में पदकाल के दौरान, पर्यावरणीय सततता के प्रति प्रतिबद्धता के कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए:

1.2.1. नल-सोल क्रियान्वयन

भारत ने नल-सोल क्रियान्वयन को बढ़ावा दिया, जिससे वैश्विक जलसंकट को सुलझाने में मदद मिली। यह उपाय जल संचयन, जलवायु और पानी के अधिक सावधानीपूर्ण प्रबंधन को सुनिश्चित करने में मदद करता है।

3.3.2. हरित वित्तीय व्यवसाय

भारत ने हरित वित्तीय व्यवसाय के लिए प्रतिबद्ध किए गए निवेश को बढ़ावा दिया। इससे सुरक्षित और वातावरण-मित्र वित्तीय व्यवसायों को बढ़ावा मिला, जो जलवायु परिवर्तन के साथ बचाव का काम करते हैं।

3.3.3. वन्यजीव संरक्षण

भारत ने वन्यजीव संरक्षण को मजबूत किया और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध हुआ। यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि वन्यजीवों की संरक्षण की जाती है और जंगलों का बचाव किया जाता है, जो जलवायु सुरक्षा के प्रति महत्वपूर्ण है।

3.3.4. साक्षरता और जागरूकता

भारत ने जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय सततता के मुद्दों पर जागरूकता फैलाने के लिए शिक्षा और साक्षरता के क्षेत्र में निवेश किया। यह जलवायु परिवर्तन के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ावा देने में मदद करता है।

3.3.5. वन्यजीव प्रबंधन

भारत ने अपने वन्यजीव संरक्षण के प्रबंधन को सुधारने के लिए प्रमुख पहल उठाई, जिसमें वन्यजीवों की संरक्षण की स्थिति को सुनिश्चित किया और उनके जीवनकाल के लिए जिम्मेदार नियम बनाए गए।

4. भारत की पदकाल के दौरान की चुनौतियाँ

4.1. आर्थिक संबंधों में सुरक्षा का उत्थान

जी20 प्रधानता के दौरान भारत की सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक संबंधों में सुरक्षा का सहयोग करना है। वैश्विक आर्थिक स्थिति में उत्थान हो रहा है और भारत को अपने आर्थिक दृष्टिकोण को सुरक्षित बनाए रखने के लिए नई नीतियों और उपायों की जरुरत है। यह भारत के लिए महत्वपूर्ण है कि वह उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों और सेवाओं का विस्तार करें, नए बाजारों में प्रवेश करें और आर्थिक संबंधों को सुरक्षित रखने के लिए सामरिक नीतियों में सुधार करें।

4.2. वित्तीय स्थिति की सुरक्षा

भारत के लिए एक और महत्वपूर्ण चुनौती वित्तीय स्थिति की सुरक्षा है। बढ़ती हुई आर्थिक चुनौतियों के बीच, भारत को अपनी वित्तीय नीतियों में सुधार करने की आवश्यकता है। वित्तीय उपकरणों को स्थिरता और सुरक्षा में बनाए रखने के लिए उच्च स्तरीय निगरानी और प्रबंधन की आवश्यकता है। भारत को वैश्विक बाजारों के साथ मजबूत संबंध स्थापित करने और नई वित्तीय नीतियों को अपनाने का समय आ गया है ताकि यह आर्थिक स्थिति में सुरक्षित रह सके ।

4.3. साइबर सुरक्षा की चुनौती

डिजिटल युग में, साइबर सुरक्षा भारत के लिए एक और महत्वपूर्ण चुनौती है। साइबर हमलों के समर्थन में सामरिक सुरक्षा की आवश्यकता है, ताकि राष्ट्र की नीतियां और गोपनीयता सुरक्षित रह सकें। भारत को नई साइबर सुरक्षा नीतियों को विकसित करने, साइबर हमलों के खिलाफ सकारात्मक कदम उठाने, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग करने की आवश्यकता है। साइबर सुरक्षा में सुधार करने के लिए, भारत को सूचना प्रौद्योगिकी और विज्ञान में नवीनतम विकासों का सामर्थ्यपूर्ण उपयोग करना होगा, जिससे यह सुनिश्चित कर सके कि स्वरक्षित साइबर स्थिति में सुरक्षित रह सके।

4.4. वैश्विक स्वास्थ्य समस्याएं

विश्व स्वास्थ्य मुद्दों में, खासकर कोविड-19 के परिस्थितियों में, भारत को सामरिक सुरक्षा की आवश्यकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (वीएचओ) के साथ मिलकर, भारत को ग्लोबल स्वास्थ्य क्रियाओं में भाग लेने और अपने नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए नई योजनाएं बनानी होगी। इसमें स्थानीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूती प्रदान करने, वैश्विक वैक्सीन उत्पन्न करने, और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा में सहयोग करने के लिए समर्पितता की आवश्यकता है।

4.5. सामरिक समरसता की अभाव

भारत की जी20 प्रधानता के दौरान पाँचवीं मुख्य चुनौती सामरिक समरसता की अभाव है। सामरिक समरसता की बढ़ाई जाएगी, तो भारत को नए और विश्वसनीय सामरिक संबंधों की आवश्यकता है। भारत को आपसी समझबूझ को बढ़ावा देने, आपसी समरसता की बढ़ाई जाने, और सभी के लिए समृद्धि की सामरिक दिशा में अपना योगदान देने की आवश्यकता है।

5. निष्कर्ष

इस समीक्षा का समापन करते हुए, यह स्पष्ट है कि भारत ने जी20 के अध्यक्षता के दौरान व्यापक रूप से अद्वितीयता और सामर्थ्य का प्रदर्शन किया है। आर्थिक रूप से सुदृढ़ होते हुए, भारत ने वैश्विक मुद्दों पर अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया और सहयोग करने की प्रतिबद्धता जताई। समीक्षा ने दिखाया है कि भारत ने आर्थिक रूप से मजबूत होने के साथ-साथ, अच्छूत विकास और सामाजिक समरसता की दिशा में भी कदम से कदम मिलाकर चला है। वह विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाएं चला रहा है जो जी20 देशों को समृद्धि और सुरक्षा की दिशा में एक सकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं।

हालांकि, इस महत्वपूर्ण क्षण के बावजूद, आर्थिक अनिश्चितताएं, पर्यावरण संरक्षण, और वैश्विक स्वास्थ्य के क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना अभी भी मुश्किल है। इसके लिए विश्व समुदाय को संगठित रूप से मिलकर काम करने की आवश्यकता है ताकि हम समृद्धि, सामरिक समानता, और स्थायिता की दिशा में एक नई पुनरावृत्ति की ओर बढ़ सकें ।

संदर्भ ग्रन्थ

1. विश्व स्वास्थ्य संगठन. गैर-संवाहिनी रोगों पर वैश्विक स्थिति रिपोर्ट 2020. विश्व स्वास्थ्य संगठन, c2020.
2. सिंह, ए., और शर्मा, आर. भारत की आर्थिक कूटनीति: एक सामरिक परिप्रेक्ष्य, आर्थिक अध्ययन पत्रिका, 2019; 46(3), 321-336.
3. भारत सरकार, बाह्य मामले मंत्रालय. जी20 में भारत का नेतृत्व: एक समग्र अवलोकन, c2022.
4. स्मिथ, ज., और पटेल, एम. (संपादक). सस्तावदी विकास लक्ष्य: एजेंडा से क्रिया तक, राउटलेज, c2018.
5. तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष. विश्व आर्थिक परिदृश्य, अक्टूबर 2021: एक अनिश्चित दुनिया में बहुदल विकास, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, c2021.
6. जोन्स, पी., और ब्राउन, क्यू. (संपादक). डिजिटल परिवर्तन: चुनौतियाँ और अवसर। हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू, 2017; 95(3), 80-89.
7. राष्ट्रीय पर्यावरण अध्ययन संस्थान. जलवायु परिवर्तन और इसका भारत पर प्रभाव: एक समग्र मूल्यांकन। राष्ट्रीय पर्यावरण अध्ययन संस्थान, टोक्यो, c2019.
8. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम. मानव विकास रिपोर्ट 2020: अगली सीमा - मानव विकास और एंथ्रोपोसीन, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम, c2020.

Creative Commons (CC) License

This article is an open access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.